Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 3: टोपी शुक्ला (Topi Shukla) – Notes, प्रश्न-उत्तर और MCQs (2026-27)

ये Topi Shukla Class 10 notes (टोपी शुक्ला) CBSE कक्षा 10 हिंदी संचयन भाग 2 के तीसरे पाठ को पूरी तरह कवर करते हैं: राही मासूम रज़ा का परिचय, टोपी और इफ़्फ़न की दोस्ती, इफ़्फ़न की दादी का प्रेम, पात्र तालिका, घटना-क्रम, NCERT प्रश्न-उत्तर, 10 MCQs और मुफ़्त PDF।

नीचे दी गई विषय-सूची से सीधे अपने ज़रूरी भाग पर जाएँ, या पूरे पाठ की तैयारी के लिए शुरू से अंत तक पढ़ें।

विषय-सूची (Table of Contents)

- पाठ परिचय (Chapter Overview)
- मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)
- पात्र और उनकी विशेषताएँ
- कहानी का संदेश
- घटना-क्रम (Sequence of Events)
- शब्दार्थ (Word Meanings)
- लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)
- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)
- बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)
- त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)
- सारांश (Summary)
- परीक्षा टिप्स (Exam Tips)
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)
- निष्कर्ष (Conclusion)

सभी पाठों के नोट्स चाहिए? Nextoper पर पूरे Class 10 Hindi notes देखें – क्षितिज, कृतिका, स्पर्श और संचयन, पाठ-वार।

पाठ परिचय (Chapter Overview)

राही मासूम रज़ा (1927–1992) का जन्म उत्तर प्रदेश के ग़ाज़ीपुर ज़िले के गंगौली गाँव में हुआ। वे अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में उर्दू के प्राध्यापक रहे और बाद में मुंबई जाकर फ़िल्मों और धारावाहिकों के लिए लेखन किया; दूरदर्शन के 'महाभारत' धारावाहिक के संवाद उन्हीं के लिखे हैं। प्रमुख उपन्यास: आधा गाँव, हिम्मत जौनपुरी, टोपी शुक्ला, ओस की बूँद, कटरा बी आर्ज़ू।

'टोपी शुक्ला' उपन्यास के इस अंश में हिंदू परिवार के बालक बलभद्र नारायण शुक्ला (टोपी) और मुस्लिम परिवार के बालक इफ़्फ़न की गहरी दोस्ती का चित्रण है। टोपी को अपने घर में प्यार नहीं मिलता, पर इफ़्फ़न की दादी के प्रेम में वह अपनापन पाता है। कहानी बताती है कि प्रेम और मित्रता धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे होते हैं।

मुख्य बिंदु और व्याख्या (Important Points)

टोपी और इफ़्फ़न

- टोपी का असली नाम बलभद्र नारायण शुक्ला था; वह हिंदू ब्राह्मण परिवार का था।
- इफ़्फ़न का पूरा नाम सैयद ज़रगाम मुर्तुज़ा था; उसके पिता कलेक्टर थे।
- दोनों में गहरी दोस्ती थी; टोपी इफ़्फ़न के घर जाता और विशेषकर इफ़्फ़न की दादी से बहुत प्रेम करता था।
- लेखक कहते हैं कि इफ़्फ़न की कहानी के बिना टोपी की कहानी अधूरी है।

इफ़्फ़न की दादी

- इफ़्फ़न की दादी पूरब (पूर्वी उत्तर प्रदेश) की थीं और पूरबी बोली बोलती थीं, जबकि घर में उर्दू बोली जाती थी।
- मायके की बोली और रीति-रिवाज़ उन्हें बहुत प्रिय थे; वे टोपी से उसी बोली में बातें करतीं।
- टोपी को दादी की बोली अपनी माँ की बोली जैसी लगती थी और उनसे वह अपनापन पाता था।
- दादी टोपी को कहानियाँ सुनातीं और उससे बहुत स्नेह करती थीं।

टोपी का अपना घर

- टोपी के घर में उसकी दादी सुभद्रा देवी कठोर स्वभाव की थीं; टोपी को उनसे डर लगता था।
- घर में टोपी को अपनापन कम मिलता था; बड़े भाई मुन्नी बाबू और छोटा भाई भैरव भी उसे परेशान करते थे।
- एक दिन टोपी ने खाने की मेज़ पर "अम्मी" शब्द बोल दिया, तो घर में हंगामा मच गया और उसकी पिटाई हुई।
- उसे इफ़्फ़न के घर जाने से मना किया गया, पर वह फिर भी जाता रहा।

दादी की मृत्यु और इफ़्फ़न का जाना

- इफ़्फ़न की दादी की मृत्यु से टोपी को गहरा आघात लगा; उसे लगा कि उसका सबसे बड़ा सहारा चला गया।
- टोपी ने इफ़्फ़न से कहा कि तुम्हारी दादी की जगह हमारी दादी मर जातीं तो अच्छा होता – यह उसके गहरे लगाव को दिखाता है।
- कुछ समय बाद इफ़्फ़न के पिता का तबादला हो गया और इफ़्फ़न भी चला गया।
- नए कलेक्टर के बच्चे टोपी से दोस्ती नहीं कर सके; टोपी अकेला पड़ गया और उसने कसम खाई कि वह किसी ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा जिसके पिता की नौकरी तबादले वाली हो।

नौवीं कक्षा में दो बार फेल

- टोपी नौवीं कक्षा में दो बार फेल हुआ – पहली बार टाइफ़ाइड के कारण और दूसरी बार घर के कामों और पढ़ाई के लिए समय न मिलने के कारण।
- घर वाले उससे काम करवाते और उसका मज़ाक उड़ाते; कक्षा में छोटे बच्चों के साथ बैठना उसे अपमानजनक लगता।
- तीसरे वर्ष वह तृतीय श्रेणी में पास हुआ।
- यह प्रसंग शिक्षा-व्यवस्था और परिवार की संवेदनहीनता पर व्यंग्य करता है।

पात्र और उनकी विशेषताएँ

चरित्र-चित्रण प्रश्नों के लिए।

पात्र	विशेषताएँ
टोपी (बलभद्र नारायण शुक्ला)	भावुक, स्नेह का भूखा, सच्चा मित्र, ज़िद्दी
इफ़्फ़न (सैयद ज़रगाम मुर्तुज़ा)	टोपी का घनिष्ठ मित्र, कलेक्टर का पुत्र
इफ़्फ़न की दादी	स्नेहमयी, पूरबी बोली प्रिय, टोपी की सहारा
टोपी की दादी (सुभद्रा देवी)	कठोर, रूढ़िवादी
मुन्नी बाबू, भैरव	टोपी के भाई; उसे परेशान करने वाले

कहानी का संदेश

विचारात्मक प्रश्नों के लिए।

- प्रेम और मित्रता धर्म और जाति से ऊपर हैं।
- बच्चों को प्रेम और अपनापन चाहिए; उपेक्षा उन्हें अकेला कर देती है।
- भाषा और बोली से भावनात्मक जुड़ाव बनता है।
- शिक्षा-व्यवस्था और परिवार को बच्चों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

घटना-क्रम (Sequence of Events)

क्रम	घटना
1	टोपी और इफ़्फ़न की दोस्ती
2	इफ़्फ़न की दादी से टोपी का लगाव
3	“अम्मी” शब्द पर घर में हंगामा और पिटाई
4	इफ़्फ़न की दादी की मृत्यु
5	इफ़्फ़न के पिता का तबादला; टोपी अकेला
6	नौवीं में दो बार फेल; तीसरी बार तृतीय श्रेणी में पास

शब्दार्थ (Word Meanings)

शब्द	अर्थ
परंपरा	रिवाज़
आत्मा	रूह
पूरबी	पूर्वी उत्तर प्रदेश की बोली
अमावट	आम के रस से बनी परत
तबादला	स्थानांतरण
कलेक्टर	ज़िलाधिकारी
मौलवी	धर्म-गुरु
ठेठ	शुद्ध
अज़ान	नमाज़ की पुकार
चमड़ी	त्वचा
बहिश्त	स्वर्ग
कस्टोडियन	संरक्षक
दर्जा	कक्षा
अपमानजनक	इज़्ज़त कम करने वाला
तृतीय श्रेणी	थर्ड डिवीज़न

लघु उत्तरीय प्रश्न (Short Answer Questions)

प्रश्न 1. इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?

उत्तर: इफ़्फ़न टोपी का सबसे घनिष्ठ मित्र था। टोपी के जीवन के सुख-दुख, उसका प्यार और अकेलापन – सब इफ़्फ़न और उसकी दादी से जुड़े हैं; इसलिए इफ़्फ़न के बिना टोपी की कहानी अधूरी है।

प्रश्न 2. इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?

उत्तर: इफ़्फ़न की दादी को अपने मायके (पूरब) की बोली, रीति-रिवाज़ और वातावरण बहुत प्रिय था; ससुराल के मौलवी वातावरण में उन्हें घुटन होती थी, इसलिए वे पीहर जाना चाहती थीं।

प्रश्न 3. इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं?

उत्तर: उनके पति मौलवी थे और घर में गाना-बजाना पसंद नहीं किया जाता था, इसलिए वे अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाईं।

प्रश्न 4. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घर वालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?

उत्तर: टोपी के मुँह से 'अम्मी' शब्द सुनकर सब चौंक गए; दादी ने नाराज़गी जताई, घर में हंगामा हुआ और टोपी की पिटाई हुई तथा उसे इफ़्फ़न के घर जाने से मना किया गया।

प्रश्न 5. दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखता है?

उत्तर: इस दिन इफ़्फ़न के पिता का तबादला हो गया और इफ़्फ़न शहर छोड़कर चला गया। टोपी बिल्कुल अकेला हो गया; इसी दिन उसने कसम खाई कि वह तबादले वाली नौकरी वाले पिता के लड़के से दोस्ती नहीं करेगा।

प्रश्न 6. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही?

उत्तर: टोपी को अपनी कठोर दादी से प्यार नहीं मिलता था, जबकि इफ़्फ़न की दादी उसे बहुत स्नेह देती थीं। इसलिए उसने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात कही।

प्रश्न 7. पूरे घर में इफ़्फ़न को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था?

उत्तर: घर में अब्बू, अम्मी और बहन कभी-कभी उसे डाँटते या चिढ़ाते, पर दादी कभी नहीं डाँटतीं, उसे कहानियाँ सुनातीं और हमेशा प्यार करती थीं; इसलिए उसे दादी से विशेष स्नेह था।

प्रश्न 8. टोपी नौवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए – (क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फेल होने के क्या कारण थे?

उत्तर: पहली बार उसे टाइफ़ाइड हो गया था और दूसरी बार घर के कामों में लगे रहने के कारण उसे पढ़ने का समय नहीं मिला; घर का कोई सदस्य उसकी पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं देता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (Long Answer Questions)

प्रश्न 1. 'टोपी शुक्ला' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि प्रेम धर्म और जाति से ऊपर है।

- टोपी हिंदू और इफ़्फ़न मुस्लिम परिवार से थे, फिर भी गहरे मित्र थे।
- टोपी को अपनी दादी से नहीं, इफ़्फ़न की दादी से सच्चा स्नेह मिला।
- दादी की पूरबी बोली ने दोनों के बीच भावनात्मक पुल बनाया।
- घर के विरोध के बावजूद टोपी इफ़्फ़न के घर जाता रहा।
- इससे स्पष्ट है कि सच्चा प्रेम किसी धर्म या जाति की सीमा नहीं मानता।

प्रश्न 2. टोपी शुक्ला के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

- स्नेह का भूखा: घर में प्यार न मिलने से इफ़्फ़न की दादी की ओर खिंचा।
- सच्चा मित्र: इफ़्फ़न से गहरा लगाव।
- भावुक: दादी की मृत्यु और इफ़्फ़न के जाने से टूट गया।
- ज़िद्दी: मना करने पर भी इफ़्फ़न के घर जाता रहा।
- संघर्षशील: दो बार फेल होकर भी पढ़ाई जारी रखी।

प्रश्न 3. टोपी के नौवीं कक्षा में फेल होने के प्रसंग से शिक्षा-व्यवस्था और परिवार पर क्या व्यंग्य किया गया है?

- परिवार ने टोपी की पढ़ाई पर ध्यान नहीं दिया, उल्टा काम करवाया।
- भाइयों और घर वालों ने उसका मज़ाक उड़ाया।
- शिक्षक और सहपाठी भी उसका उपहास करते थे।
- शिक्षा-व्यवस्था में बच्चों की परिस्थितियों को समझने की संवेदना नहीं थी।
- यह प्रसंग बच्चों के प्रति सहानुभूति और सहयोग की आवश्यकता बताता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs with Answers)

1. 'टोपी शुक्ला' के लेखक हैं

(क) राही मासूम रज़ा (ख) गुरदयाल सिंह (ग) मिथिलेश्वर (घ) निदा फ़ाज़ली

उत्तर: (क) राही मासूम रज़ा

2. टोपी का असली नाम था

(क) बलभद्र नारायण शुक्ला (ख) हरिहर शुक्ला (ग) रामनारायण (घ) मुन्नी बाबू

उत्तर: (क) बलभद्र नारायण शुक्ला

3. इफ़्फ़न का पूरा नाम था

(क) सैयद ज़रगाम मुर्तुज़ा (ख) अतहर हुसैन (ग) वज़ीर अली (घ) सआदत अली

उत्तर: (क) सैयद ज़रगाम मुर्तुज़ा

4. इफ़्फ़न के पिता क्या थे?

(क) डॉक्टर (ख) कलेक्टर (ग) मौलवी (घ) व्यापारी

उत्तर: (ख) कलेक्टर

5. इफ़्फ़न की दादी कौन-सी बोली बोलती थीं?

(क) उर्दू (ख) पूरबी (ग) पंजाबी (घ) अवधी

उत्तर: (ख) पूरबी

6. किस शब्द पर टोपी के घर हंगामा हुआ?

(क) अब्बू (ख) अम्मी (ग) दादी (घ) खुदा

उत्तर: (ख) अम्मी

7. टोपी की दादी का नाम था

(क) सुभद्रा देवी (ख) रामदुलारी (ग) सीता (घ) जानकी

उत्तर: (क) सुभद्रा देवी

8. टोपी नौवीं में कितनी बार फेल हुआ?

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) कभी नहीं

उत्तर: (ख) दो

9. 'महाभारत' धारावाहिक के संवाद किसने लिखे?

(क) राही मासूम रज़ा (ख) कैफ़ी आज़मी (ग) गुलज़ार (घ) निदा फ़ाज़ली

उत्तर: (क) राही मासूम रज़ा

10. कहानी का मुख्य संदेश है

(क) धार्मिक कट्टरता (ख) प्रेम और मित्रता धर्म से ऊपर (ग) शिक्षा का महत्व (घ) व्यापार

उत्तर: (ख) प्रेम और मित्रता धर्म से ऊपर

त्वरित पुनरावृत्ति (Quick Revision)

- लेखक: राही मासूम रज़ा (1927–1992), गंगौली (ग़ाज़ीपुर); आधा गाँव; महाभारत के संवाद।
- टोपी = बलभद्र नारायण शुक्ला; इफ़्फ़न = सैयद ज़रगाम मुर्तुज़ा (कलेक्टर का पुत्र)।
- इफ़्फ़न की दादी: पूरबी बोली, स्नेहमयी।
- टोपी की दादी सुभद्रा देवी: कठोर; "अम्मी" शब्द पर हंगामा।
- दादी की मृत्यु; 10 अक्तूबर 1945 को इफ़्फ़न का जाना।
- नौवीं में दो बार फेल; तीसरी बार तृतीय श्रेणी।

सारांश (Summary)

टोपी शुक्ला (बलभद्र नारायण शुक्ला) और इफ़्फ़न (सैयद ज़रगाम मुर्तुज़ा) अलग-अलग धर्मों के होते हुए भी गहरे मित्र थे। टोपी को अपने घर में प्यार नहीं मिलता था, पर इफ़्फ़न की दादी अपनी पूरबी बोली और स्नेह से उसे अपनापन देती थीं। एक बार "अम्मी" कहने पर टोपी के घर में हंगामा हुआ और उसकी पिटाई हुई।

इफ़्फ़न की दादी की मृत्यु और फिर इफ़्फ़न के पिता के तबादले के बाद टोपी अकेला पड़ गया। वह नौवीं कक्षा में दो बार फेल हुआ – पहले बीमारी और फिर घर के कामों के कारण – और तीसरी बार तृतीय श्रेणी में पास हुआ। कहानी बताती है कि प्रेम और मित्रता धर्म और जाति से ऊपर हैं।

परीक्षा टिप्स (Exam Tips)

- टोपी और इफ़्फ़न के पूरे नाम अवश्य याद करें।
- "अम्मी" प्रसंग और दादी बदलने वाली बात पर प्रश्न आते हैं।
- 10 अक्तूबर 1945 की तारीख का महत्व लिखें।
- दो बार फेल होने के कारण बिंदुवार लिखें।
- प्रेम धर्म से ऊपर – इस पर दीर्घ उत्तर तैयार रखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

इस पाठ का मुख्य संदेश क्या है?

प्रेम और मित्रता धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे हैं; बच्चों को स्नेह और समझ चाहिए।

क्या यह पाठ 2026-27 सिलेबस में है?

हाँ, यह CBSE हिंदी B की पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2 में है।

क्या इन नोट्स का PDF मिलेगा?

हाँ, ऊपर दिए लिंक से बिना साइनअप मुफ़्त PDF डाउनलोड करें।

निष्कर्ष (Conclusion)

टोपी शुक्ला मित्रता और स्नेह की मार्मिक कहानी है। पात्र तालिका और घटना-क्रम दोहराकर इस पाठ में पूरे अंक पाएँ।

और नोट्स (More Notes): Class 10 Hindi Sanchayan Chapter 2: सपनों के-से दिन notes | All Class 10 Hindi notes

लेखक परिचय (Author Bio): ये नोट्स Nextoper Editorial Team ने तैयार और जाँचे हैं – CBSE हिंदी शिक्षकों का समूह, जो NCERT पाठ्यपुस्तक और पिछले बोर्ड प्रश्नपत्रों के पैटर्न के आधार पर पाठ-वार नोट्स बनाते हैं।

अद्यतन जानकारी (Freshness Note): ये नोट्स NCERT कक्षा 10 की हिंदी पाठ्यपुस्तक संचयन भाग 2 (Reprint 2026-27, CBSE Hindi B) और 2026-27 सत्र के CBSE पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। अंतिम जाँच: 10 नवंबर 2026।